Downloaded from www.studiestoday.com

भाग-क

अध्याय 1

भूगोल एक विषय के रूप में

'भूगोल' शब्द हिन्दी के दो शब्दों से बना है - भू + गोल अर्थात् पृथ्वी गोल है। 234 ई॰ पू॰ यूनान के प्रसिद्ध विद्वान इरेटॉस्थेनीज ने इस विषय की परिभाषा देने के लिए **Geo** (पृथ्वी) और **Graphs** (वर्णन) से मिलकर बना है। जिसका शाब्दिक अर्थ है - पृथ्वी का वर्णन करना। समय के अनुसार भूगोल की परिभाषा भी परिवर्तित होती रही है। अनेक विद्वानों ने समय-समय पर भूगोल शब्द को अपने विचारों के आधार पर परिभाषित किया है। वर्तमान समय में भूगोल शब्द का अर्थ है कि ' पृथ्वी के धरातल पर पाई जाने वाली स्थानिक **(Spatial)** तथा सामायिक **(Temporal)** विभिन्नताओं **(Varations)** के अध्ययनं को भूगोल कहते हैं।

भूगोल के अध्ययन की दो प्रमुख उपागम है। (1) क्रमबद्ध तथा प्रादेशिक।

प्रश्नावली

प्रश्न 1 :- क्रमबद्ध और प्रादेशिक भूगोल में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

अथवा

भूगोल की दो प्रमुख उपागमों का वर्णन कीजिए?

उत्तर :-भूगोल की दो प्रमुख उपागम निम्नलिखित है :-

(अ) क्रमबद्ध भूगोल :-

(1) क्रमबद्ध भूगोल में एक विशिष्ट भौगोलिक तत्व का अध्ययन किया जाता है।

(2) क्रमबद्ध विधि क्षेत्र का समाकलित (Integrated) रूप प्रस्तुत करती है।

(3) यह विधि राजनैतिक इकाइयों पर आधारित होता है।

(4) यह अध्ययन खोज व तथ्यों को प्रस्तुत करता है।

(5) इस अध्ययन में एक घटक जैसे जलवायु के आधार पर विभिन्न प्रकार तथा उप-प्रकार निश्चित किए जाते है।

(ब) प्रादेशिक भूगोल :-

(1) प्रादेशिक भूगोल में किसी एक प्रदेश का सभी भौगोलिक तत्वों के संदर्भ में एक इकाई के रूप में अध्ययन होता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) प्रादेशिक विधि एकाकी रूप प्रस्तुत करती है।

(3) यह विधि भौगोलिक इकाइयों पर आधारित होती है।

(4) यह अध्ययन किसी प्रदेश के वातावरण तथा मानव के बीच अंतसम्बन्ध प्रस्तुत करता है।

(5) इस अध्ययन में प्रदेशों का सीमाकंन किया जाता है। इसे प्रादेशीकरण कहते है।

प्रश्न 2 :- भूगोल को परिभाषित कीजिए तथा भौतिक भूगोल एवं प्राकृतिक विज्ञान में अंर्तसम्बन्ध स्पष्ट कीजिए?

उत्तर :-भूगोल शब्द हिन्दी के दो शब्दो से बना है भू + गोल अर्थात् पृथ्वी गोल है। यूनान के प्रसिद्ध विद्वान इरेटॉस्थेनीज ने इस विषय की परिभाषा देने के लिए Geography शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया। अंग्रेजी भाषा का यह शब्द यूनानी भाषा के दो शब्दों Geo (पृथ्वी) और Graphs (वर्णन) से मिलकर बना है। अर्थात भूगोल वह विषय है जिसमें हम पृथ्वी का वर्णन करते है। अनेक विद्वानो ने भूगोल को 'मानव के निवास के रूप में पृथ्वी का वर्णन' परिभाषित किया है। वर्तमान समय में भूगोल विषय का अर्थ है कि 'पृथ्वी के धरातल पर पाई जाने वाली स्थानिक और सामयिक विभिन्नताओं के अध्ययन को भूगोल कहते है।

भौतिक भूगोल का भौतिक अथवा प्राकृतिक विज्ञानों के साथ गहरा सम्बन्ध है। परम्परागत रूप में भौतिक भूगोल भौमिकी, मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, मृदा विज्ञान से सम्बन्धित है। अत: भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, सामुद्रिक विज्ञान, मृदा भूगोल का प्राकृतिक विज्ञान से निकट का सम्बन्ध है। भौतिक भूगोल की ये शाखाएँ अपने से सम्बन्धित विज्ञानों से सूचनाएँ प्राप्त करती है। इसी प्रकार जैव-भूगोल का जीव विज्ञान, वनस्पति शास्त्र तथा परिस्थतिकी विज्ञान से निकट का सम्बन्ध है।

प्रश्न 3 :- स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार भूगोल अन्य सामाजिक शास्त्रों से सम्बन्धित हैं। उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए?

उत्तर :-भूगोल की प्रमुख शाखा मानव भूगोल अन्य सामाजिक शास्त्र के विषयों जैसे इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र दर्शनशास्त्र, जनांकिकी आदि के साथ निकट का सम्बन्ध है। जो इस प्रकार है -

(1) इतिहास तथा भूगोल का आपस में गहरा सम्बन्ध है क्योकि ये दोनों विषय क्रमश: काल तथा स्थान के अध्ययन से सम्बन्धित है।

(2) राजनीतिशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र में राज्य क्षेत्र जनसंख्या, प्रभुसत्ता आदि का विश्लेषण सम्मिलित है जबकि राजनीतिक भूगोल एक क्षेत्रीय सम्मिलित है जबकि राजनीतिक भूगोल एक क्षेत्रीय इकाई के रूप में राज्य तथा उसकी जनसंख्या के राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन करता है।

(3) भूगोल की एक उपशाखा आर्थिक भूगोल तथा अर्थशास्त्र का घनिष्ट सम्बन्ध है। अर्थशास्त्र तथा आर्थिक भूगोल की विषय वस्तु में बहुत सी समानताएं पाई जाती है।

इसी प्रकार जनसंख्या भूगोल जनांकिकी से सामाजिक भूगोल समाजशास्त्र से तथा सांस्कृतिक

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

भूगोल मानवशास्त्र से सम्बन्धित है।

प्रश्न4:- किस आधार पर हम कह सकते है कि भूगोल एक वैज्ञानिक विषय है?

अथवा

क्या? कहाँ? और क्यो? वर्गो के प्रश्नों का वर्णन कीजिए जिनका उत्तर भूगोल देता है?

उत्तर :-भूगोल एक वैज्ञानिक विषय है। एक परिपक्व वैज्ञानिक विषय के रूप में भूगोल निम्नलिखित तीन वर्गो के प्रश्नों से संबंधित है :-

(1) क्या? कुछ प्रश्न ऐसे होते है जो भूतल पर पाई जाने वाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विशेषताओं के प्रतिरूप की पहचान से जुड़े हुए होते है, जो 'क्या' प्रश्न का उत्तर देते है।

(2)कहाँ? कुछ ऐसे भी प्रश्न होते हैं जो पृथ्वी पर भौतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों के वितरण से जुड़े हुए होते है। ये 'कहाँ' प्रश्न से संबंद्ध होते है।

(3)क्यों? प्रश्नों का तीसरा वर्ग व्याख्या अथवा तत्वों के बीच कार्य-कारण संबंध से जुड़ा होता है जो क्यो का उत्तर देता है।

प्रश्न 5 :-भौतिक भूगोल की प्रमुख शाखाओं का वर्णन कीजिए?

उत्तर :-भौतिक भूगोल की निम्नलिखित चार प्रमुख शाखाएँ है: -

(1) **भू आकृतिक विज्ञान** :- भूपृष्ठ पर पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के भू-लक्षणो, जैसे -महाद्वीपो, पर्वतो, पठारों, मैदानों, नदी, घाटियों आदि का जननिक अध्ययन है।

(2) **जलवायु विज्ञान** :- जलवायु तथा इसके संघटक तत्वों का क्रमबद्ध अध्ययन हैं। वर्षा, तापमान, वायुदाब, पवन, आंधी आदि जलवायु के मुख्य संघटक है।

(3) **जल विज्ञान** :- महासागरों, नदियों, झीलों, हिमानियों तथा जलवाष्प द्वारा प्रकृति तथा मानवजीवन में जल की भूमिका का अध्ययन है।

(4) **मृदा भूगोल** :- इसमें मृदा के निर्माण इसके प्रकार तथा इसके वितरण का अध्ययन किया जाता है।

प्रश्न 6 :- मानव भूगोल के अन्तर्गत कौन-कौन सी प्रमुख उपशाखाएं हैं?

उत्तर :-मानव भूगोल भूपृष्ठ पर मानवीय अथवा सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन करता है। घर, गांव, कस्बे, नगर, रेलवे, सड़के, पुल आदि मनुष्य द्वारा बनाए जाते है और मानवीय तत्व कहलाते है। मानव भूगोल बहुत ही विस्तृत विषय है और इसकी अनेक शाखाएं निम्नलिखित है :-

(1) सांस्कृतिक भूगोल

(2) सामाजिक भूगोल

(3) जनसंख्या भूगोल

(4) नगरीय भूगोल

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(5) ग्रामीण भूगोल

(6) आर्थिक भूगोल

(7) कृषि भूगोल

(8) औद्योगिक भूगोल

(9) राजनीतिक भूगोल

(10) व्यापार एवं परिवहन भूगोल

प्रश्न 7 :-भौतिक भूगोल अध्ययन का मानव जीवन के लिए क्या महत्व है?

उत्तर :-भौतिक भूगोल, भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा है, क्योंकि यह समस्त भूगोल के अध्ययन को ठोस आधार प्रदान करता है। भूगोल की यह सबसे महत्वपूर्ण तथा आधारभूत शाखा भूमंडल, वायुमंडल, जलमंडल तथा जैवमंडल के अध्ययन से संबंधित है। भौतिक भूगोल के इन सभी तत्वों (भू-आकृतियों, जल-प्रवाह, उच्चावच) का विशेष महत्व है क्योकि मानव के क्रियाकलापों को प्रभावित करते है। उदाहरणतया मैदानो का प्रयोग कृषि के लिए किया जाता है। उपजाऊ मिट्टी कृषि को ठोस आधार प्रदान करती है। सभी मानवीय क्रियाकलाप भौतिक भूगोल की विभिन्न शाखाओं से प्रभावित होती है।

प्रश्न 8 :-भूगोल को क्षेत्रीय भिन्नता का अध्ययन मानना तार्किक हैं। तीन बिन्दुओं में इस कथन की पुष्टि कीजिए?

उत्तर :-1. भूगोल को उन सभी बच्चों का अध्ययन करना होता है जो क्षेत्रीय सन्दर्भ में भिन्न होते है।

2. भूगोल वेत्ता मात्र धरातल पर तथ्यों में विभिन्नता का अध्ययन ही नहीं करता बल्कि उन कारकों का भी अध्ययन करता है जो इन विभिन्नताओं को जन्म देते है।

3. उदाहरण के तौर पर फसल के स्वरूप में प्रादेशिक भिन्नताएं पाई जाती हैं, जो मिट्टी जलवायु, बाजार में मांग, किसानों की व्यय-क्षमता, तकनीकी निवेश की उपलब्धता आदि में भिन्नताओं से सम्बन्धित होती है। इस प्रकार भूगोल दो तत्वों के मध्य कार्य-कारण सम्बन्ध भी ज्ञात करता है।

प्रश्न 9 :- "हम आधुनिक युग में मानवकृत प्रकृति तथा प्रकृतिक मानव के दर्शन करते है।" इस कथन को तीन बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :- 1. मानव ने अनुकूलन (Adaptation) तथा आपरिवर्तन (Modification) के माध्यम से प्रकृति के साथ समझौता किया है।

2. मानव ने उच्च तकनीकी एवं प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करके प्राकृतिक वातावरण में परिवर्तन किए है।

3. तकनीकी के क्रमशः विकास के साथ मानव अपने ऊपर भौतिक पर्यावरण के द्वारा कसे हुए बंधन को ढीला करने में सक्षम हो गया है। तकनीकी ने श्रम की कठोरता को कमकर, श्रम-क्षमता को बढ़ाया तथा कार्य के दौरान अवकाश का प्रावधान किया।

Downloaded from www.studiestoday.com